प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में गाजर घास जागरूकता एवं प्रबंधन सप्ताह प्रारम्भ

पंतनगर। १७ अगस्त, २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय, पंतनगर, हल्दी, में अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार शोध प्रंबधन परियोजना के अन्तर्गत गाजर घास जागरूकता एवं प्रबंधन सप्ताह का शुभारम्भ किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के निदेशक शोध, डा. एस. एन. तिवारी, ने इस कार्यक्रम के महत्व पर बल देते हुए विनाशकारी गाजर घास को विश्वविद्यालय के सभी शोध केन्द्रों द्वारा उन्मूलन करने पर जोर दिया। उन्होंने समस्त कृषकों, विद्यर्थियों एंव आम जनता की सहभागिता हेतु भी आहवान् किया, जिससे कृषित एंव अकृषित क्षेत्र से गाजर घास को समूल नष्ट किया जा सके। उन्होने परियोजना के वैज्ञानिकों से इस कार्यक्रम को २२ अगस्त तक विभिन्न शिक्षण संस्थानों, एवं गावों में प्रसारित करने के भी निर्देश दिये।

सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष, डा. डी. एस. पाण्डेय, ने गाजर घास के गुणों की चर्चा करते हुए इसे हरी खाद के रूप में प्रयोग करने की सम्भावना पर शोध हेतु जोर दिया। मुख्य महाप्रबधक फार्म, डा. विश्वनाथ, ने गाजर घास में फूल आने से पहले ही इसे उखाड़ कर नष्ट करने का सुझाव दिया। महाप्रबन्धक फार्म डा. डी. के. सिंह ने विश्वविद्यालय फार्म से गाजर घास के समूल नियंत्रण पर बल दिया। डा. एस. के. गुरू ने बताया कि गाजर घास के नियंन्त्रण हेतु प्रतिस्पर्धात्मक पौधे जैसे चकौड़ा (*केसिया सिरेसिया* या *कैसिया तोरा*), लटजीरा एंव गेंदा के बीज को फरवरी-मार्च में इस खरपतवार के बीच में छिड़कने से ये गाजर घास की वृद्धि एंव विकास को रोकते हैं। सभा में उपस्थित परियोजना वैज्ञानिक डा. एस. पी. सिंह ने गाजर घास के नियंन्त्रण हेतु रासायनिक एवं जैव विधियों की विस्तृत चर्चा की।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में उपस्थितजनों का स्वागत करते हुए डा. वी.पी. सिंह ने इस खरपतवार से मनुष्यों, जानवरों तथा पर्यावरण को होने वाले नुकसान के बारे में प्रकाश डाला। इस अवसर पर परियोजना के वैज्ञानिक व एस. आर. एफ. के अतिरिक्त सयुक्त निदेशक बीज उत्पादन केन्द्र, औषधीय एवं सुगन्ध पौध शोध केन्द्र, कृषि वानिकी शोध केन्द्र, शैक्षाणिक डेरी फार्म, पुष्प उत्पादन शोध केन्द्र विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, कर्मचारी तथा लगभग १५० कृषक उपस्थित थे। सभा का संचालन डा. तेज प्रताप, वरिष्ठ शोध अधिकारी, ने किया।

गाजर घास जागरूकता एवं प्रबंधन सप्ताह के उद्घाटन समारोह में जानकारी देते निदेशक शोध, डा. एस.एन. तिवारी; साथ में अन्य वैज्ञानिक।